डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान पटना

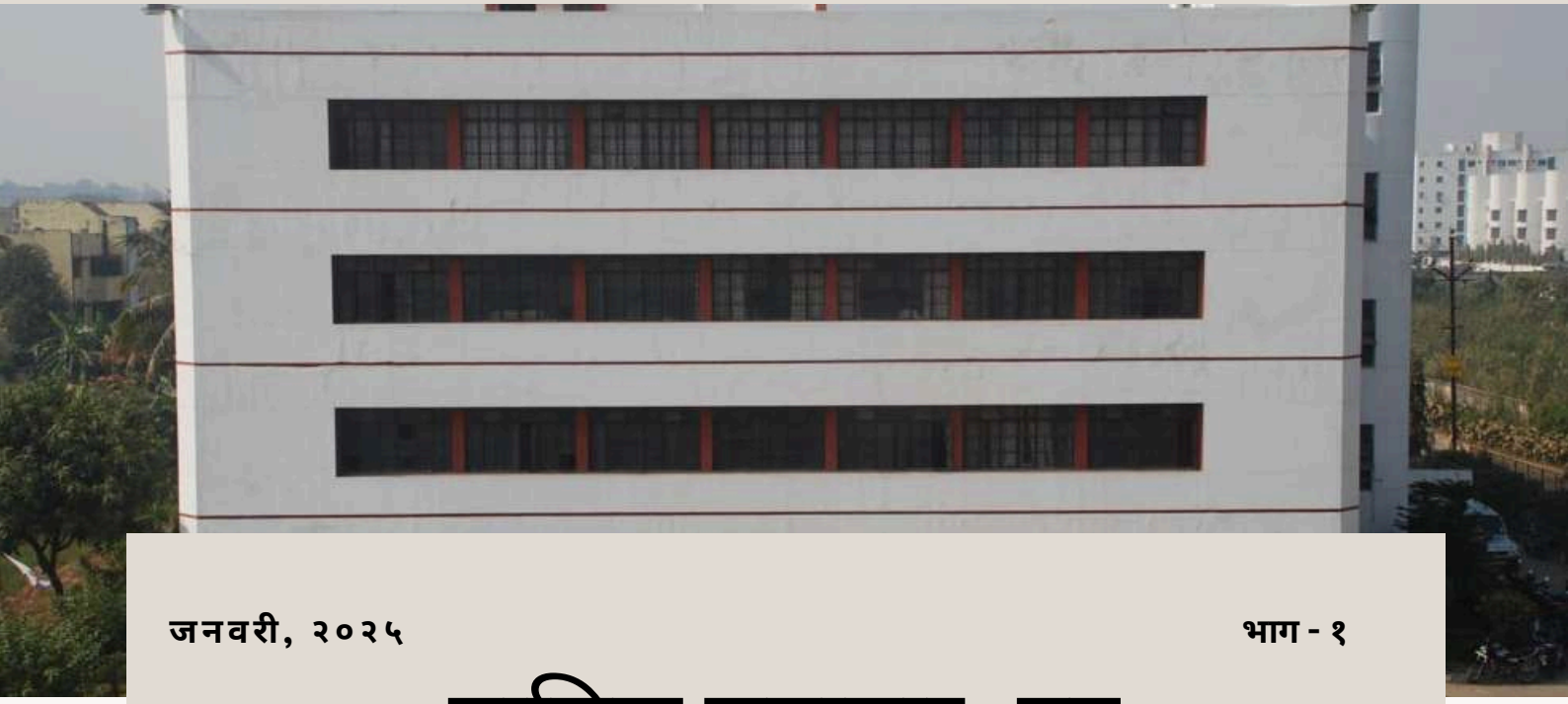

जनवरी, २०२५ **भाग - १**

मासिक समाचार–पत्र

डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक

संपादक मंडल:

- सुश्री तन्वी प्रिया, संकाय सदस्य
- डॉ फ़ैयाज़ हुसैन, संकाय सदस्य
- श्री रवि शेखर, संकाय सदस्य
- श्री समीर राज, पुस्तकालयाध्यक्ष
- श्री सन्नी कुमार, सहायक
- श्री आशीष आनन्द , सो. मी. सहायक

निदेशक की कलम से...

प्रिय सहकर्मियों,

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जनवरी २०२५ का मासिक समाचार पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत है। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि २०२५ को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सहकारिता की भावना को बढ़ावा देना और सामूहिक विकास को प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकता है।

इस अंक में, हमने सहकारिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं, सफलता की कहानियों और नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया है। हमें विश्वास है कि यह आपको प्रेरित करेगा और संगठन में सामूहिक प्रयासों को और सशक्त बनाएगा।

आप सभी के सहयोग और समर्पण के लिए धन्यवाद। आइए, इस वर्ष को सहकारिता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर कार्य करें।

सहयोग और सद्भावना सहित,
डॉ. के. पी. रंजन
निदेशक
डी. एन. इस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना

- **Facebook: https://www.facebook.com/DNSPatna**
- **Instagram: https://www.instagram.com/dnsricmpatna/**
- **Youtube: https://www.youtube.com/@DNSRICMPatna**
- **X(Twitter): https://x.com/dnsricmpatna**
- **LinkedIn: https://www.linkedin.com/in/d-n-s-regional-institute-of-cooperative-management-patna/**

ई-मेल: dnsricmpatna1@gmail.com
dir-ricmpatna-bih@gov.in
वेबसाइट: https://dnsricmpatna.org

Scan to Follow Us

मासिक गतिविधियाँ - एक नज़र में

दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

- रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय के तहत रक्षा–कर्मियों के लिए वेयरहाउस प्रबंधक का कार्यक्रम।

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

- बिहार राज्य के समस्तीपुर, मधुबनी और दरभंगा जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के अररिया और पूर्णिया जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के पूर्णिया जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के कटिहार जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के गोपालगंज, कैमूर और मोतिहारी जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के कटिहार और किशनगंज जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के किशनगंज जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के अररिया जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के भागलपुर जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के बांका जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के सुपौल और मुंगेर जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के खगड़िया और जमुई जिलों की महिला किसानों/ दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की महिला सदस्यों के लिए पशु प्रबंधन और विभिन्न डेयरी उत्पादों की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के मुंगेर जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- बिहार राज्य के जमुई जिले के किसानों के लिए मत्स्य प्रसार योजना के तहत मत्स्य पालन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम।

एक–दिवसीय कार्यक्रम/ कार्यशाला/ सेमिनार/ सम्मेलन

- एमएसएमई प्रतिस्पर्धा लीन योजना (MCLS) पर उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम
- बिहार सरकार एवं संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में "सहकारी चौपाल" विषय पर एक–दिवसीय कार्यशाला

अन्य गतिविधियाँ - एक नज़र में

- संस्थान में २०२५ नववर्ष समारोह का आयोजन किया गया।

- "सहकार से समृद्धि" विषय पर ग्रामीण क्षेत्रो में जन जन तक प्रचार-प्रसार के लिए संस्थान में राज्य के विभिन्न नाटय मंडली द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

- संस्थान में दिनांक २०.०१ २०२५ को माननीय मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार, ने "सहकारी चौपाल" कार्यक्रम में भाग लिया | इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन एवं कार्यालय निबन्धक, सहयोग समितियाँ, बिहार, पटना के विभागीय पदाधिकारी एवं २०० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया |

- एमएसएमई प्रतिस्पर्धा लीन योजना (MCLS) पर इंडस्ट्री अवेयरनेस प्रोग्राम २२.०१.२०२५ को संस्थान में आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक, डॉ. के. पी. रंजन ने सहकारिता की भूमिका पर जोर दिया।

अन्य गतिविधियाँ - एक नज़र में

- मेदांता अस्पताल, पटना द्वारा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए नियमित चिकित्सा जांच का आयोजन किया गया।

- दिनांक २२.०१ २०२५ को पैक्सों में व्यावसायिक विविधीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला "सहकारी चौपाल" तथा LED प्रचार वाहन का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, बिहार के द्वारा किया गया तथा इसकी अध्यक्षता माननीय मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार के द्वारा किया गया | इस कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति माननीय मंत्री श्रीमती रेणु देवी, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग , बिहार सरकार की रही |

- संस्थान परिसर में डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक के द्वारा ७६वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन समारोह में सभी संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया |

पुनर्वास महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (डीजीआर) पाठ्यक्रम

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय के तहत रक्षा–कर्मियों के लिए वेयरहाउस प्रबंधक का कार्यक्रम

1. उद्देश्य:
- सेवानिवृत्त होने से पहले रक्षा-कर्मियों को वेयरहाउस प्रबंधन में कौशल प्रशिक्षण देना।
- उन्हें नागरिक जीवन में रोजगार के लिए तैयार करना।

2. पात्रता:
- भारतीय सशस्त्र बलों, वायु सेना, नौसेना के सेवानिवृत्त होने के कगार के अधिकारी ।
- निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और अनुभव रखने वाले रक्षा-कर्मी।

3. कार्यक्रम की विशेषताएँ:
- वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण।
- इन्वेंट्री कंट्रोल, स्टॉक मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट आदि का ज्ञान।
- प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो प्रमुख वेयरहाउसिंग कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक होगा।

4. प्रशिक्षण अवधि:
- १२ - सप्ताह का व्यावसायिक प्रशिक्षण।

5. प्रशिक्षण स्थान:
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों पर आयोजित।

6. रोजगार के अवसर:
- लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन कंपनियों में रोजगार।
- गोदाम (वेयरहाउस) प्रबंधन कंपनियों में अवसर।
- स्वयं का वेयरहाउसिंग बिजनेस शुरू करने की संभावना।

7. आवेदन प्रक्रिया:
- पुनर्वास महानिदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित कार्यालय से संपर्क करके आवेदन।

8. लाभ:
- नागरिक क्षेत्र में पुनर्वास और आत्मनिर्भरता।
- संगठित क्षेत्र में अच्छे वेतन वाली नौकरियों की संभावनाएँ।

पशु प्रबंधन एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण पर ६-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. उद्देश्य:
- पशुपालन एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना।

2. पात्रता:
- दुग्ध सहकारिता के सदस्य / प्रबंधकारणी के सदस्य।
- डेयरी उद्योग में रुचि रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार।

3. कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:
- पशु प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण।
- डेयरी फार्मिंग, चारा प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य एवं देखभाल पर जानकारी।
- दुग्ध प्रसंस्करण और विभिन्न दुग्ध उत्पादों (जैसे घी, पनीर, दही) के निर्माण की विधियाँ।
- गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादन एवं विपणन रणनीतियों पर मार्गदर्शन।

4. प्रशिक्षण अवधि:
- कुल ६ दिन का गहन प्रशिक्षण।

5. प्रशिक्षण स्थान:
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों या कृषि विश्वविद्यालयों में आयोजित।

6. प्रशिक्षण विधि:
- सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण का संयोजन।
- विशेषज्ञों एवं अनुभवी पशुपालकों द्वारा मार्गदर्शन।

7. रोजगार एवं व्यवसायिक अवसर:
- डेयरी फार्म स्थापित करने का अवसर।
- दुग्ध उत्पाद निर्माण एवं विपणन में करियर।
- सहकारी समितियों और दुग्ध उद्योगों में रोजगार।

8. आवेदन प्रक्रिया:
- संबंधित सहकारी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय या प्रशिक्षण संस्थान में संपर्क करके आवेदन

9. लाभ:
- पशुपालन और डेयरी उद्योग में आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम।
- वैज्ञानिक तरीके से डेयरी फार्मिंग और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार।
- पशुपालकों को डेयरी उद्योग में आत्मनिर्भर बनना एवं आय में बढ़ोतरी

मत्स्य पालन ६-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. उद्देश्य:
- वैज्ञानिक एवं आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना।
- मत्स्य पालन को एक लाभदायक व्यवसाय के रूप में विकसित करना।

2. पात्रता:
- मत्स्य सहकारिता के सदस्य / प्रबंधकारणी के सदस्य
- मत्स्य पालन व्यवसाय में रुचि रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार।

3. कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:
- मत्स्य पालन के वैज्ञानिक एवं तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण।
- मछली पालन के लिए उपयुक्त जलाशय प्रबंधन।
- उच्च गुणवत्ता वाली मछली प्रजातियों का चयन एवं पालन।
- मछलियों के स्वास्थ्य प्रबंधन एवं रोग नियंत्रण पर जानकारी।
- मत्स्य उत्पादों का प्रसंस्करण एवं विपणन तकनीक।
- सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता पर जानकारी।

4. प्रशिक्षण अवधि:
- कुल ६ दिन का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण।

5. प्रशिक्षण स्थान:
- मत्स्य पालन संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय, या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र।

6. प्रशिक्षण विधि:
- अनुभवी वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन।
- ऑन-फील्ड एवं लैब-आधारित व्यावहारिक सत्र।

7. रोजगार एवं व्यवसायिक अवसर:
- मत्स्य पालन व्यवसाय की स्थापना।
- सरकारी एवं निजी क्षेत्र में मत्स्य पालन में अवसर।
- मत्स्य उत्पाद प्रसंस्करण उद्योग में करियर।

8. आवेदन प्रक्रिया:
- संबंधित मत्स्य विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, या प्रशिक्षण संस्थान में संपर्क करके आवेदन।
- जिला मत्स्य पदाधिकारियों से संपर्क करके आवेदन करें।

9. लाभ:
- मत्स्य पालन को वैज्ञानिक तरीकों से अपनाकर अधिक उत्पादन एवं लाभ प्राप्त करना।
- सरकारी योजनाओं और अनुदानों का लाभ उठाने की जानकारी।
- रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम।

नववर्ष २०२५ के अवसर पर

संस्थान के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने नववर्ष के अवसर पर डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक को बधाई दिया।

महिला डेयरी सहकारी सदस्यों द्वारा सम्मान

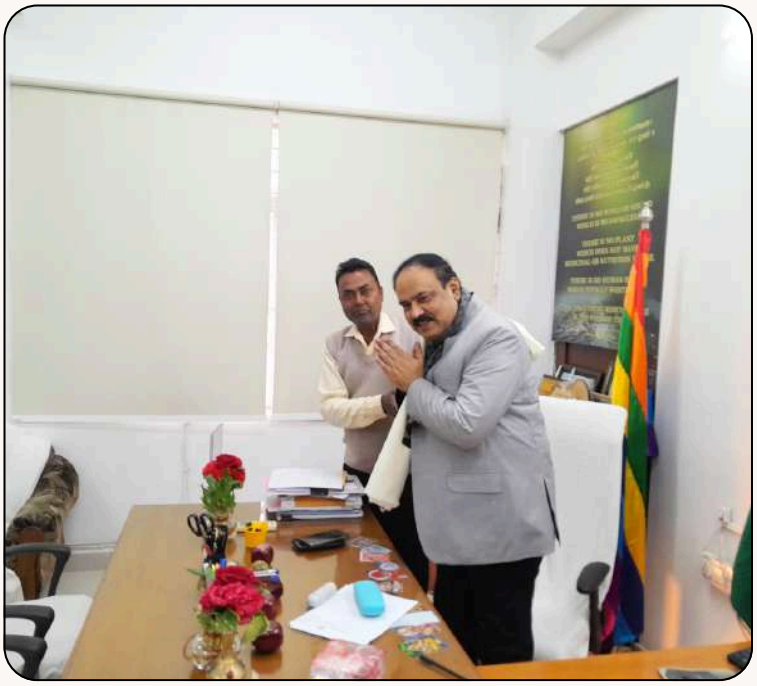

बिहार के गोपालगंज जिला की महिला डेयरी सहकारी सदस्यों के प्रतिनिधियों द्वारा संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन को नववर्ष के अवसर पर बधाई दी एवं सम्मानित किया गया।

निदेशालय सामान्य पुनर्वास पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए सामान्य सेवा केंद्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रियांक श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक, डीआरजेड (सेंट्रल) का दिनांक ०७.०१.२०२५ को संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। यह स्वागत रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित महानिदेशालय सामान्य पुनर्वास (DGR) के डीजीआर पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए आयोजित सामान्य सेवा केंद्र (CSC) प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर किया गया।

लोक कल्याण के लिए चिकित्सा जांच

मेदांता अस्पताल, पटना द्वारा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए नियमित चिकित्सा जांच का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों की बैठक

माह जनवरी, २०२५ की संकाय सदस्यों की बैठक दिनांक ०९ .०१.२०२५ को समय ०३.३० बजे अपराह्न में निदेशक महोदय, डॉ. के. पी. रंजन की अध्यक्षता में निदेशक कक्ष में आयोजित की गई जिसमें संस्थान की गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गई।

सहकारिता के प्रचार प्रसार के लिए नुक्कड़ नाटक का कार्यक्रम

"सहकार से समृद्धि" के विषय पर ग्रामीण क्षेत्रो में जन जन तक प्रचार-प्रसार के लिए संस्थान में राज्य के विभिन्न नाटय मंडली द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला – सहकारी चौपाल

माननीय सहकारिता मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, बिहार सरकार की उपस्थिति में डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक, द्वारा “सहकारी चौपाल” कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

माननीय सहकारिता मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, सहकारी चौपाल के अवसर पर LED प्रचार वाहन का मुआयना करते हुए।

संस्थान के निदेशक, डॉ. के. पी. रंजन, "सहकारी चौपाल" कार्यक्रम के उद्घाटन पर माननीय सहकारिता मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार को सम्मानित करते हुए।

संस्थान में दिनांक २०.०१.२०२५ को माननीय सहकारिता मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, बिहार सरकार, ने "सहकारी चौपाल" कार्यक्रम में भाग लिया | इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन एवं कार्यालय निबन्धक, सहयोग समितियाँ, बिहार, पटना के विभागीय पदाधिकारी सहित २०० से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया |

एक दिवसीय कार्यशाला एवं "सहकारी चौपाल" तथा LED प्रचार वाहन का शुभारंभ कार्यक्रम

दिनांक २२.०१.२०२५ को पैक्सों में व्यावसायिक विविधीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं "सहकारी चौपाल" तथा LED प्रचार वाहन का शुभारंभ कार्यक्रम | इस कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, बिहार के द्वारा किया गया तथा इसकी अध्यक्षता माननीय मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार के द्वारा किया गया | इस कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति माननीय मंत्री श्रीमती रेणु देवी, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग , बिहार सरकार की रही |

एमएसएमई प्रतिस्पर्धा लीन योजना (MCLS) पर औद्योगिक जागरूकता कार्यक्रम (Industry Awareness Programme)

एमएसएमई प्रतिस्पर्धा लीन योजना (MCLS) पर इंडस्ट्री अवेयरनेस प्रोग्राम २२.०१.२०२५ को संस्थान में आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक, डॉ. के. पी. रंजन ने सहकारिता की भूमिका पर जोर दिया।

७६वें गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान परिसर में डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक के द्वारा ७६वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

माह जनवरी, २०२५ में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र -१

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
कटिहार जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 30.12.2024 से 04.01.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
पूर्णियाँ जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 30.12.2024 से 04.01.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
अररिया जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 06.01.2025 से 11.01.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
किशनगंज जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 06.01.2025 से 11.01.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 2
भागलपुर जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनांक 13.01.2025 से 18.01.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 2
बांका जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनांक 13.01.2025 से 18.01.2025 तक)

माह जनवरी, २०२५ में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र -२

माह जनवरी, २०२५ में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामूहिक छायाचित्र -३